Morigaon College (Autonomous)
Morigaon: Assam

SYLLABUS

Hindi

FYUGP

(3rd Semester)

तृतीय छमाही

Course Code: HIN-CORE-(MJ/MN)-MC-0300104

कोर्स का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी सहित 10वीं कक्षा उत्तीर्ण
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 60
आंतरिक परीक्षण: 40
सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4
व्यावहारिक क्रेडिट : 0
आवश्यक कक्षाओं की संख्या :
प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. आदिकालीन साहित्य की विभिन्न उपधाराओं को वर्गीकृत कर उन पर चर्चा कर पायेंगे ।

2. भक्तिकालीन साहित्य की विविध उपधाराओं यथा सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य और कृष्णकाव्य के साम्य वैषम्य को स्पष्ट कर पायेंगे।

3. रीतिकाव्य के प्रमुख रूपों को वर्गीकृत कर उन पर विवेचन कर पायेंगे ।

4. आधुनिक हिन्दी कविता की विकास यात्रा एवं खड़ीबोली गद्य के उद्भव विकास का वर्गीकरण और विश्लेषण कर पायेंगे ।

5. पुरानी और मध्यकालीन हिन्दी के विभित्र रूपों,जैसे- अपभ्रंश-प्रभावित हिन्दी, डिंगल, मैथिली, अवधी, व्रजभाषा एवं आधुनिक साहित्यिक अभिव्यक्ति की प्रमुख भाषा खड़ीबोली हिन्दी की भाषिक विशेषताओं का आकलन कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (वाह्यं परीक्षण +आतरिक परीक्षण)
1	1	**आदिकाल-** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य	15	25 (15+10)
2	1	**भक्तिकाल-** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य	15	25 (15+10)
3	1	**रीतिकाल -** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा	15	25 (15+10)
4	1	**आधुनिक काल-** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियॉ , आधुनिक काव्यधारा का इतिहासः भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, छायावादयुगीन, प्रगतिवादी, प्रयोगवादी, नयी कविता, साठोत्तरी कविता-सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ खड़ीबोली गद्य का उद्भव-विकास	15	25 (15+10)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास -डॉ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ० वच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. रीतिकाव्य की भूमिका -डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)- डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास -डॉ० तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली|

तृतीय छमाही

Course Code: HIN-CORE-(MJ)-MC-0300204

कोर्स का नाम : भाषाविज्ञान

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी सहित 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 60
आंतरिक परीक्षण: 40
सैद्धान्तिक क्रेडिट: 4
व्यावहारिक क्रेडिट : (0
आवश्यक कक्षाओं की संख्या :
प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 60
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ: 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. भाषा एवं भाषाविज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को रेखांकित कर पायेंगे |

2. अर्थ-परिवर्तन-संबंधी विविध विशेषताओं जैसे: अनेकार्थक शब्द, एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द की पहचान कर पायेंगे।

3. भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे- ध्वनिविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान का वर्गीकरण कर उन पर गहन विवेचन कर पायेंगे।

4. भाषा के समुचित प्रयोग हेतु भाषाविज्ञान के अध्ययन के महत्व का आकलन कर पायेंगे ।

5. ध्वनिविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थविज्ञान के सन्दर्भ में हिन्दी और अन्य भाषाओं के भाषावैज्ञानिक अध्ययन हेतु तुलनात्मक शोध-दृष्टिकोण विकसित कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (वाह्यं परीक्षण +आंतरिक परीक्षण)
1	1	**(क) भाषा-** व्युत्पत्तिपरक अर्थ, परिभाषा एवं मूलभूत बातें, विशेषताएँ, भाषा-परिवर्तन के कारण, भाषा-विभाषा-बोली **(ख) भाषाविज्ञान -** परिभाषा, भाषावैज्ञानिक अध्ययन की पद्धतियाँ एवं प्रकार, अध्ययन के विभाग, साहित्य और व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान का सम्बन्ध	15	25 (15+10)
2	1	**(क) ध्वनिविज्ञान -** ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि-भेद, स्वर और व्यंजन ध्वनियों में अन्तर, विविध आधारों पर स्वर और व्यंजन ध्वनियों के वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन के कारण **(ख) रूपविज्ञान-** शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबंधतत्व, संबंधतत्वों के प्रकार और कार्य, रूप-परिवर्तन के कारण	15	25 (15+10)
3	1	**वाक्यविज्ञान** -वाक्य की परिभाषा एवं मूलभूत बातें, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के अंग, वाक्य-रचना में ध्यान देने योग्य बातें, वाक्य के प्रकार, वाक्य-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ	15	25 (15+10)
4	1	**अर्थविज्ञान-** अर्थ की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-बोध के साधन, अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, अर्थ-परिवर्तन-सम्बन्धी विशेषताएँ-- अनेकार्थक शब्द, एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द	15	25 (15+10)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. भाषाविज्ञान- डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. भाषाविज्ञान की भूमिका- आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना ।
3. सामान्य भाषाविज्ञान -डॉ बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
4. भाषाविज्ञान एव भाषाशास्त्र - डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

तृतीय छमाही

Course Code: SEC-HIN-MC-0300103

कोर्स का नाम : अनुवाद-कला और व्यावहारिक अनुवाद के विविध आयाम

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण
कुल अंक : 75
बाह्य परीक्षण : 30
आंतरिक परीक्षण : 20
व्यावहारिक परीक्षण : 25
सैद्धान्तिक क्रेडिट : 2
व्यावहारिक क्रेडिट : 1
आवश्यक कक्षाओं की संख्या :
प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 45
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. अनुवाद की अवधारणा, स्वरूप, प्रक्रिया, महत्व और प्रकारों से परिचित हो पायेंगे ।

2. कविता, कहानी और उपन्यास के अनुवाद से सबंधित सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा कर पायेंगे ।

3. अर्जित ज्ञान द्वारा हिन्दी से अंग्रेजी और असमीया में एवं असमीया से हिन्दी में कविता और कहानी, उपन्यास के व्यावहारिक अनुवाद कर पायेंगे।

4. वैज्ञानिक साहित्य, विधि साहित्य से संबंधित सामग्रियों के अंग्रेजी से हिन्दी में तथा कार्यालयी दस्तावेज़ और पत्रकारिता से जुड़ी सामग्रियों के अग्रेंजी-हिन्दी द्विभाषी अनुवाद की क्षमता का परीक्षण कर पायेंगे ।

5. सर्जनात्मक और गैर-सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद में दक्षता का विकास कर पायेंगे तथा अनुवाद कार्य को आजीविका के रूप में ग्रहण कर पायेगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (वाह्यं परीक्षण +आतरिक परीक्षण+ व्यवहारिक परीक्षण)
1	1	**अनुवाद:** परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया और उपयोगिताः शब्दानुवाद, भावानुवाद और सटीक/ आदर्श अनुवाद के स्वरूप	15	25 (10+07+08)
2	1	**कविता, कहानी और उपन्यास का अनुवाद** : हिन्दी से अंग्रेजी और असमीया में तथा असमीया से हिन्दी में	15	25 (10+07+08)
3	1	ज्ञान, विज्ञान और विधि से संबंधित सामग्रियों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद: कार्यालयी पत्राचार (सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालयी आदेश, अनुस्मारक, अधिसूचना) और पत्रकारिता से जुड़ी सामग्रियों का अंग्रेजी से हिन्दी में और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद	15	25 (10+07+08)

दृष्टव्य: व्यवहारिक परीक्षण के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में उल्लिखित सर्जनात्मक साहित्य और गैर-सर्जनात्मक साहित्य (ज्ञान, विज्ञान, विधि, कार्यालयी, पत्रकारिता आदि) के दो-दो नमूनों के अनुवाद सम्मिलित रहेंगे । विभागीय प्राध्यापकगण, महाविद्यालय के अध्यक्ष शिक्षण-संस्थान के प्रमुख अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के द्वारा मौखिकी-सहित मूल्यांकन कार्य सम्पन्न होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. अनुवाद-सुधा (भाग-1 एवं भाग-2) - डॉ० अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी ।
3. अनुवाद कला - डॉ० एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

4. अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार- डॉ० जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. कार्यालय सहायिका - हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली ।
6. कार्यालय प्रवीणता - हरिबाबू कंसल, सुधांशु बंधु, नयी दिल्ली।
7. पत्रकारिता और पत्रकारिता - अरुण जैन, हिन्दी बुक सेंटर, आसफ अली रोड, नयी दिल्ली।
8. पत्रकारिता के नए आयाम – एस .के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
9. सिर्फ पत्रकारिता - अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10. How to Translate into English - R.P. Sinha, Bharati Bhawan,Patna.
11. हिन्दी-English एक्सपर्ट Translator - S.C. Gupta, Arihant Publications Private Limited.

****